आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

मंगलवार 05.11.2024

समय 1305

पहले मुख्य समाचार :–

- राज्य में विशेष उद्देश्य के लिए भूमि लेकर उसका उपयोग न करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
- उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस सादगी से मनाया जाएगा। अल्मोड़ा सड़क हादसे पर दुख जाहिर करते हुए सीएम ने दिए निर्देश।
- उत्तरकाशी जिले के विभिन्न मार्ग और आवासीय विद्यालय सोलर हाईमास्ट लाइट से रोशन होंगे।
- केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली शीतकालीन गद्दी स्थल ऊखीमठ ओंकारेश्वर मंदिर में हुई विराजमान।

निर्देश

राज्य में विशेष उद्देश्य के लिए भूमि लेकर उसका उपयोग न करने पर और भू–कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय से जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भू–कानून के प्रावधानों के विपरीत भूमि की खरीद फरोख्त अथवा भूमि खरीद सम्बंधित अनुमति के किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर मुकदमा दर्ज करने के कड़े निर्देश दिए।

राज्य स्थापना दिवस

आगामी नौ नवम्बर को उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस सादगी के साथ मनाया जाएगा। पूर्व में सरकार ने राज्य स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अल्मोड़ा के मार्चुआ में कल हुए भीषण सड़क हादसे के बाद सरकार ने स्थापना दिवस सादगी से मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी स्थगित कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क हादसे में घायल व्यक्तियों और मृतकों के प्रियजनों के साथ सरकार खड़ी है।

निंदा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय राजनयिकों को धमकाने की कोशिश भी समान रूप से कायराना हरकत है। उन्होंने कहा कि हिंसा की ऐसी घटनाएं देश का संकल्प कमजोर नहीं कर सकती। श्री मोदी ने कनाडा सरकार से इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने और कानून व्यवस्था बनाये रखने को कहा है। कनाडा के साथ विवाद शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहली टिप्पणी है।

शुभारंभ

रुड़की में उत्तम शुगर मिल लिब्बरहेड़ी का गन्ना पेराई सत्र शुरू कर दिया गया है। लिब्बरहेड़ी गन्ना विकास समिति के चेयरमैन प्रतिनिधि सुशील राठी ने कहा कि पेराई सत्र के दौरान किसानों को नियमित रूप से पर्ची दी जाएगी, जिससे उन्हें किसी भी तरह की परेशानी न हो। पेराई सत्र को लेकर मिल प्रबंधन ने पहले ही किसानों को गन्ने की पर्चियां बांटी थीं। अब किसान गन्ना लेकर मिल पहुंचे हैं। इस बार 90 लाख कुंतल का गन्ने पेराई का लक्ष्य रखा गया हैं।

नक्षत्र सभा

चमोली जिले में प्रशासन, स्टार्सकेप्स और उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के सहयोग से नक्षत्र सभा की अगली कड़ी बेनीताल घाटी में 8 से 10 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम अद्वितीय खगोलीय अवलोकन, एस्ट्रो फोटोग्राफी सत्र, और सांस्कृतिक समर्पण का अनुभव प्रदान करेगा। जिला पर्यटन विकास अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय ने बताया कि प्रतिभागियों को नक्षत्र सभा के दौरान शानदार तौरिड्स उल्का वर्षा देखने का भी मौका मिलेगा। यह कार्यक्रम सभी आयु समूहों के लिए खगोल विज्ञान को सुलभ और रुचिकर बनाने के लिए तैयार किया गया है।

अनुमोदन

उत्तरकाशी जिले के यात्रा और ट्रैक मार्गों के प्रमुख पड़ाव तथा आवासीय विद्यालयों के परिसर अब सोलर हाईमास्ट लाईट से रोशन होंगे। इसके लिए 77 जगहों पर सोलर हाईमास्ट लाईट की स्थापना का अनुमोदन किया गया है। साथ ही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के सार्वजनिक, धार्मिक और पर्यटन महत्व के स्थलों को भी प्रकाशमान करने के लिए जिले में लगभग दो हजार सोलर स्ट्रीट लाईट्स की लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। उरेडा की राज्य सेक्टर की योजना के तहत स्वीकृत इन दोनों परियोजनाओं की कुल लागत करीब साढे चार करोड़ रुपए है।

हाईमास्ट व स्ट्रीट लाईट्स की स्थापना के बाद अगले पांच सालों तक इनके रख–रखाव की व्यवस्था भी की गई है।

गोल्ज्यू सन्देश यात्रा

चम्पावत जिले में द्वितीय गोल्ज्यू सन्देश यात्रा शुरू हो गई है। यात्रा के शुभारंभ पर महिलाओं ने पारम्परिक कुमाऊंनी परिधान में कलश यात्रा व झांकी निकाली। 24 दिनों में यह यात्रा राज्य के 75 स्थानों तक पहुंचेगी और लोक विरासत, संस्कृति व परंपराओं के संरक्षण का संदेश देगी। उत्तराखंड में न्याय के देवता के रूप में गोल्ज्यू की पूजा–अर्चना की जाती है। गोल्ज्यू सन्देश यात्रा के संयोजक सतीश पाण्डेय ने बताया कि यह यात्रा हर दूसरे वर्ष आयोजित की जाती है और वर्ष 2022 में यात्रा का समापन घोड़ाखाल में हुआ था और इस बार चंपावत में ही यात्रा का समापन होगा।

केदारनाथ पंचमुखी डोली

बाबा केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली आज अपने शीतकालीन प्रवास स्थल ऊखीमठ ओंकारेश्वर मंदिर पहुंच गई है। अब छह माह भगवान केदारनाथ की पूजा ओंकारेश्वर मंदिर में होगी। आज सुबह सुबह 7 बजे गुप्तकाशी स्थित विश्वनाथ मंदिर में मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग ने भगवान केदारनाथ की पूजा–अर्चना की। इस मौके पर सैकड़ों भक्तों ने बाबा केदार के दर्शन घर–परिवार की सुख–समृद्धि का आशीर्वाद लिया। यहां मंदिर की परिक्रमा के बाद बाबा केदार की चल उत्सव विग्रह डोली ने शीतकालीन गद्दीस्थल के लिए प्रस्थान किया। गुप्तकाशी बाजार से सेमी–भैंसारी, वाराही मंदिर, विद्यापीठ होते हुए भगवान केदारनाथ की चल उत्सव विग्रह डोली दोपहर बाद अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंची, यहां पर भक्तों ने पुष्प–अक्षत से आराध्य का स्वागत किया।

गंगा उत्सव

गंगा नदी के संरक्षण को प्रोत्साहित करने और इसकी स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में 'गंगा उत्सव' पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जोशियाड़ा झील में साहसिक खेल और पर्यटन विभाग के माध्यम से जल क्रीड़ा का आयोजन कर गंगा उत्सव के कार्यक्रमो की श्रृंखला की शुरूआत हुई। भागीरथी की लहरों पर प्रशिक्षित युवाओं ने राफ्टिंग और कयाकिंग जैसी रोमांचक खेल गतिविधियों का प्रदर्शन कर आम लोगों से गंगा नदी को अविरल और निर्मल बनाए रखने की अपील की। वहीं, गंगा उत्सव के उपलक्ष्य में मणिकर्णिका घाट पर छात्रों की क्विज, निबंध, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।